(Ph.D. Course work)

# जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

## अध्ययन मण्डल द्वारा स्वीकृत पाठ्यक्रम

Class : पी.एच.डी. इतिहास

विषय समूह का शीर्षक : " इतिहास दृष्टि, लेखन एवं विचारधारायें "

प्रश्नपत्र क्रमांक : तृतीय

अनिवार्य / वैकल्पिक : अनिवार्य

अधिकतम अंक : 3 क्रेडिट्स

**नोट**— निम्नलिखित पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिसमें से किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर शोधार्थी द्वारा देना होगा।

## विवरण

1. इतिहास का दृष्टि एवं विस्तार–क्षेत्र : इतिहास की परिभाषा, क्षेत्र एवं प्रकृति इतिहास में कारण एवं पूर्वाग्रह। इतिहास एवं अध्ययन की अन्य शाखायें : इतिहास का अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध, इतिहास और पुरातत्व, भूगोल, समाजशास्त्र, साहित्य, राजनीतिशास्त्र एवं प्राकृतिक विज्ञान
2. इतिहास अनुसंधान – तकनीक एवं प्रविधि, आलोचनात्मक, सर्वेक्षणात्मक ऐतिहासिक विश्लेषण एवं तुलनात्मक
3. इतिहास के वृहत् सिद्धांत : युगचक्रवादी सिद्धांत, सामाजिक सिद्धांत, तुलनात्मक सिद्धांत, संरचनात्मक सिद्धांत, पारिस्थिकी सिद्धांत, वैश्विक सिद्धांत।
4. भारतीय इतिहास लेखन की प्रमुख विचारधारायें – राष्ट्रवाद एवं संस्कृति, राष्ट्रवादी, साम्राज्यवादी, मार्क्सवादी, उपाश्रयी और उत्तर आधुनिक वादी
5. प्राचीन भारतीय इतिहास में प्रतिवाद – वेदों की ऐतिहासिकता, आर्य समस्या सरस्वती घाटी सभ्यता, गुप्त कालीन वैभव
6. मध्यकालीन भारतीय इतिहास में प्रतिशोध-अलाउद्दीन की क्रूरता के विरूद्ध, पानीपत के प्रथम तथा द्वितीय युद्ध में हिन्दु प्रतिशोध, अकबर और राजपूत प्रतिशोध, औरंगजेब और शिवाजी
7. औपनिवेशिक भारतीय इतिहास में जन आक्रोश एवं प्रतिशोध – औपनिवेशिक स्थापना तथा देशी रियासतों का प्रतिशोध, ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरूद्ध जन आक्रोश– 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, क्रान्तिकारी गतिविधियाँ, गाँधी आन्दोलन तथा सुभाषचन्द्र बोस
8. औपनिवेशिक भारत में इतिहास लेखन – विकृतियाँ एवं विवाद प्राचीन भारतीय इतिहासमें– पुराणों की ऐतिहासिकता, सरस्वती घाटी सभ्यता, नारी, दास–प्रथा, महाराणा प्रताप एवं राष्ट्रवाद, औरंगजेब की धर्मांधता, 1857 ई. ~~के विप्लव~~ की क्रांति एवं प्रकृति ~~एवं~~
9. स्वतंत्रोत्तर भारत में इतिहास लेखन – प्रमुख इतिहासकार के.पी. जायसवाल, डी. डी. कौशाम्बी, इरफान हबीब, डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय, डॉ. सतीश मित्तल, आशीर्वादीलाल श्रीवास्तव, आर.सी. मजूमदार, यदुनाथ सरकार, डॉ. ईश्वरशरण विश्वकर्मा, डॉ. आनन्द मिश्र, के.के. शर्मा।
10. 21वीं शताब्दी में भारतीय इतिहास लेखन एवं चिंतन – प्रत्यक्षवादी, व्हिग, मार्क्सवादी और एनाल्स, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना।